

SÉOME .CXLII.

JE | KRÎ|RÈ| de| ma| vœs| de| vêr-| le| Séi| ñer :
Je | prî| rë| de| ma| vœs| de| vêr-| le| Séi| ñer :
Da| van-| lui| ma| re| kêt' | rë| dé| koor| jér :
Da| van-| lui| ma| dé| très| s' | rë| ra| kon| té.
5 Lôrs| k'an| mœ| le| k|râ| j'| a| lœt| dé| fat| tir,
(Bién| tu| sus| le| dñe| min| k'a| lôrs| je| sui| vœ)
An| la| vœi'| ñ| j'a| lœ-| z a| lôrs| dé| mar| chant,
Il| m'ont| lë-| ma| lu| rês| le| pie| j'| a| fû| té.
A| mœin| drœ| te| je| kêt', e| vî| ze| par| tøt,
10 Par| tøt| pér| so| ne| plus| ne| m'êt| ko| nœs| sant :
Pér| dû| mœ| me| de| mœ| la| fui| te| s'an| fuit :
Nul| n'ê-| plus| ki| mo| nâ| me| dñer| che| sô| vér.
Vêr-| tœ, | Si| re, | je| krî . | je| dî : | Mo| n es| pœr,
Mon| lœt| (| di-| je)| tu| ñs| de| dan| la| kon| trê
15 Dë-| vî| van| s . A| ma| pléin| te| don| ke| z an| tan :
Kar| trop| sui| s| ñ| fli| jé : | Dé| li| vre| mœ| donk|
De| mœ-| pér| sé| ku| ters . | Plu| foors| ke| mœ| sont.
Vién| mo| nâ| me| ti| rér| de| tê| lè| prî| zon,
Pœr| ton| nom| sé| le| brér : | si| bién| ke| lë-| Bons|
20 S'an| i| ront| k|rô| né| de| mœ, | k'i| vê| ront|
Par| tœ| vi| vr' | o| no| ré| de| tant| de| bién| fes. ·><·